



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 593]

नई दिल्ली, शनिवार, दिसम्बर 31, 1983/पौष 10, 1905

No. 593]

NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 31, 1983/PAUSA 10, 1905

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 31 दिसम्बर, 1983

का०आ० 949 (अ)/18क/आई डी आर ग/८३—केन्द्रीय सरकार ने, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का. 65) की धारा 18क की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के तत्कालीन औद्योगिक विकास मंत्रालय के आदेश सं० का०आ० 601 (अ) तारीख 8 अक्टूबर, 1974 द्वारा उसमें विनिर्दिष्ट प्रबन्ध बोर्ड को मैगर्स ईस्टर्न डिस्टिलरीज प्राइवेट लिमिटेड कलकत्ता नामक सम्पूर्ण औद्योगिक उपक्रम का प्रबन्ध 8 अक्टूबर, 1974 से प्रारम्भ होने वाली पांच वर्ष की अवधि के लिए ग्रहण करने के लिए प्राधिकृत किया था ;

और, केन्द्रीय सरकार ने, भारत सरकार ने भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं० का०आ० 237 (अ), तारीख 1 मई, 1979 द्वारा जो उक्त आदेश सं० का०आ० 601 (अ), तारीख 8 अक्टूबर,

1974 के आंशिक उपान्तरण में जारी किया गया था, पश्चिमी बंगाल सरकार, कलकत्ता के रूप में बन्द उद्योग विभाग (जो अब औद्योगिक पुनर्गठन विभाग के नाम से जाना है) के सचिव को उपरोक्त औद्योगिक उपक्रम का प्रबन्ध 8 अक्टूबर, 1974 से पांच वर्ष की शेष अवधि के लिए ग्रहण करने के लिए प्राधिकृत किया था ;

और केन्द्रीय सरकार ने समय-समय पर जारी किए गए भारत सरकार (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं० का० आ० 556 (अ), तारीख 28 सितम्बर, 1979 सं० का०आ० 838 (अ), तारीख 7 अक्टूबर, 1980 सं० का०आ० 737 (अ), तारीख 6 अक्टूबर, 1981 सं० का०आ० 718 (अ), तारीख 7 अक्टूबर, 1982 और का०आ० 387 (अ), तारीख 31 मई, 1983 द्वारा निर्देश दिए थे कि उक्त आदेश का प्रभाव 31 दिसम्बर, 1983 तक की जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, और अवधि के लिए प्रभावी बना रहेगा ;

और, केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि लोकहित में यह समीचीन है कि उक्त आदेश, 30 जून 1984 तक की, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है और अवधि के लिए प्रभावी बना रहे ;

अतः, अब केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम 1951 (1951 का 65) की धारा 18क की उपधारा (2) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह निदेश देती है कि उक्त आदेश 30 जून, 1984 तक की जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है और अवधि के लिए प्रभावी बना रहेगा

[फाइल नं० 2(16)/79—सी०यू०एस०]

ए०पी० सरस्वत, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

ORDER

New Delhi, the 31st December, 1983

S.O. 949(E)/18A/IDRA/83.—Whereas the Central Government, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 18A of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), by the Order of the Government of India in the erstwhile Ministry of Industrial Development No. S.O. 601(E), dated the 8th October, 1974, authorised the Board of Management specified therein to take over the management of the whole of the industrial undertaking, namely Messrs Eastern Distilleries Private Limited, Calcutta, for a period of five years commencing from the 8th October, 1974;

And, whereas, by the Order of the Government of India, in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 237(E), dated the 1st May, 1979, issued in partial modification

of the said Order No. S.O. 601(E), dated the 8th October, 1974, the Central Government authorised the Secretary, Sick and Closed Industries Department (now known as Industrial Reconstruction Department), Government of West Bengal, Calcutta to take over the management of the aforesaid industrial undertaking for the remaining period of five years from the 8th October, 1974;

And, whereas, by the Orders of the Government of India (Department of Industrial Development) No. S.O. 556(E), dated the 28th September, 1979, No. S.O. 838(E), dated the 7th October, 1980, No. 737(E), dated the 6th October, 1981, S.O. 718(E), dated the 7th October, 1982 and S.O. 387(E), dated the 31st May, 1983, issued from time to time, the Central Government directed that the said Order shall continue to have effect for a further period upto and inclusive of the 31st December, 1983;

And, whereas, the Central Government is of opinion that it is expedient in the public interest that the said Order should continue to have effect for a further period upto and inclusive of the 30th June, 1984;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (2) of section 18A of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby directs that the said Order shall continue to have effect for a further period upto and inclusive of the 30th June, 1984.

[File No. 2(16)/79-CUS]

A. P. SARWAN, Jt. Secy.